प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद-बस्ती।

पत्रांकः एम.डी.-कैम्प/2016-17/2088 दिनांकः 29 अगस्त, 2016

विषयः दिनांक 16.08.2016 को प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के साथ अधोहस्ताक्षरी द्वारा जनपद बस्ती के चिकित्सालयों की आकस्मिक निरीक्षण आख्या के सम्बन्ध में।

महोदय,

प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 16.08.2016 को आपके जनपद-बस्ती के जिला पुरूष चिकित्सालय, ओपेक (कैली) चिकित्सालय, एवं रानी तलाश कुंवरि जिला महिला चिकित्सालय, बस्ती का औचक निरीक्षण किया गया।

उपर्युक्त स्वास्थ्य इकाईयों की निरीक्षण आख्या संलग्न कर आपको इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि निरीक्षण आख्या का बिन्दुवार अनुपालन कराना सुनिश्चित करें तथा कृत कार्यवाही से प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक : यथोक्त

भवदीय,

(आलोक कुमार)
मिशन निदेशक।

पत्रांकः एम.डी.-कैम्प/2016-17/2088-4, तद्दिनांक।
प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी जनपद-बस्ती को इस आशय से प्रेषित कि निरीक्षण आख्या पर अपने स्तर से कार्यवाही कर अधोहस्ताक्षरी को को अवगत कराने का कष्ट करें।
3. महाप्रबन्धक, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को निर्देश के साथ प्रेषित कि आप अपने स्तर से फालो-अप करना सुनिश्चित करें।
4. मण्डलीय एवं एवं जनपदीय कार्यक्रम अधिकारी, बस्ती को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि निरीक्षण आख्या पर बिन्दुवार कार्यवाही सुनिश्चित कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

(आलोक कुमार)
मिशन निदेशक।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 शासन एवं श्री आलोक कुमार, आई.ए.एस., मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 द्वारा दिनांक 16 अगस्त, 2016 को जनपद बस्ती के चिकित्सालयों की निरीक्षण आख्या

प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 16.08.2016 को जनपद बस्ती के जिला चिकित्सालय, कैली चिकित्सालय एवं रानी तलाश कुंवरि महिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ0 बलजीत सिंह अरोड़ा-वरिष्ठ सलाहकार, डॉ0 अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबन्धक, अपर निदेशक-बस्ती, मुख्य चिकित्साधिकारी-बस्ती, सम्बन्धित मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका, मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, जनपदीय कार्यक्रम अधिकारी एवं जनपदीय अधिकारी मौजूद थे।

जिला पुरुष चिकित्सालय, बस्ती- सर्वप्रथम जिला चिकित्सालय स्थित पोषण पुनर्वास केन्द्र (एन.आर.सी.) का निरीक्षण किया गया।

- निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एन.आर.सी. कुल 10 बेड स्थापित हैं जबकि केवल 04 बच्चे ही भर्ती किये गये हैं जबकि एन.आर.सी. में 04 स्टाफ नर्स, 01 चिकित्सक एवं 01 पोषण अधिकारी तैनात हैं। जानकारी करने पर अवगत कराया गया कि ज्यादातर मरीज गोरखपुर में चले जाते हैं।
- एन.आर.सी. में तैनात स्टॉफ नर्स का प्रशिक्षण नहीं कराया गया है। **इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि तत्काल स्टॉफ नर्सों का प्रशिक्षण कराया जाय।**
- **Pediatric Intensive Care Unit (PICU) में सभी बेडों पर मॉनीटर लगे थे परन्तु कोई भी मॉनीटर क्रियाशील नहीं था। मुख्य केन्द्र (Central Section) में कोई भी स्टाफ नर्स, ए.एन.एम. अथवा चिकित्सक उपस्थित नहीं पाये गये।**
- Pediatric Intensive Care Unit (PICU) में कोई भी पीडियाट्रीशियन उपलब्ध नहीं थे। जानकारी करने पर पता चला कि कुल 07 पीडियाट्रिक, जिसमें से 05 नियमित एवं 02 संविदा के आधार पर तैनात हैं। डॉ0 ओ.पी. यादव, पीडियाट्रिक निरीक्षण के दौरान ओ.टी. में थे।
- **स्थानीय लोगों द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में तैनात अधिकतर चिकित्सक छुट्टी लेकर प्राइवेट क्लीनिक चलाते हैं।**
- **स्थानीय लोगों द्वारा यह भी शिकायत की गई चिकित्सालय में तैनात चिकित्सक मरीजों को भर्ती नहीं करते बल्कि उन्हें प्राइवेट चिकित्सालयों में जाने के लिए सलाह दिया जाता है। इस लिए चिकित्सालय में मरीज नहीं आते।**
- **चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था बिलकुल नहीं थीं। जगह-जगह पर छतों से पानी टपक रहा था एवं दीवारों पर सीलन थी पाइप लाइन फटी हुई थीं। यहाँ तक कि मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का बाथरूम भी बाथरूमों मकड़ी के जाले लगे पाये गये तथा सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पायी गई।**
- वार्डों में बेडों पर बिछे बेडशीट इत्यादि बहुत ही गंदे थे।
- RNTCP Lab में बैठने का स्थान भी नहीं था। Lab में कोई भी जाँच करने के उपकरण नहीं थे। जानकारी करने पर बताया गया कि जाँच टी.बी. हास्पिटल से कराया जाता है।

- एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा शिकायत की गई कि चिकित्सालय में अल्ट्रासाउण्ड हेतु पैसा लिया जाता है। **मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि तत्काल इसकी जाँच करते हुए अवगत कराया जाय।**
- स्थानीय पत्रकारों द्वारा शिकायत की गई कि ज़्यादातर चिकित्सक दवाएं बाहर से लिखते हैं। चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस की जाती है।
- डॉ0 रमेश चन्द्र, ज़नरल फिजीशियन (वर्तमान में सिद्धार्थ नगर में तैनात) के विरूद्ध प्राइवेट प्रैक्टिस की शिकायत की गई।

चिकित्सालय में तैनात मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 मोहिबुल्लाह से प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने यह अपेक्षा कि 01 माह के अन्दर उपर्युक्त सभी कमियों को दूर करते हुए अवगत कराया जाय।

<u>ओपेक चिकित्सालय (कैली), बस्ती-</u>

- ओपेक चिकित्सालय के आई.सी.यू. वार्ड में लगे बेड पर लगे मॉनीटर्स एवं सेन्ट्रल मॉनीटर कार्यरत नहीं पाये गये।
- ऑक्सीजन गैस की आपूर्तित पाइपलाइन में ऑक्सीजन नहीं आ रहा था। जानकारी करने पर पता चला कि ऑक्सीजन मेन लाइन से बन्द किया गया था।
- निरीक्षण के समय आई.सी.यू. वार्ड में तैनात चिकित्सक एवं स्टॉफ नर्स वार्ड में मौजूद नहीं थीं। आई.सी.यू. में तैनात स्टॉफ नर्स एवं चिकित्सक को मॉनीटर्स के आपरेशन्स एवं आवश्यकता पड़ने पर आक्सीजन दिये जाने के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी नहीं थी। **जानकारी करने पर पता चला कि डॉ0 विनोद कुमार श्रीवास्तव, पीडियाट्रिक को बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर से इस सम्बन्ध में प्रशिक्षित किया जा चुका है। परन्तु डॉ0 श्रीवास्तव द्वारा इस सम्बन्ध में गलत बयान दिया गया कि उनको वेंटीलेटर आपरेट काने के सम्बन्ध में कोई प्रशिक्षण नहीं प्राप्त है।**
- **मुख्य चिकित्साधिकारी को इस सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि डॉ0 श्रीवास्तव के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाय तथा अन्य स्टॉफ नर्सों को प्रशिक्षित कराया जाय।**
- चिकित्सालय में स्थापित सी.टी. स्कैन मशीन कार्यशील नहीं पायी गई तथा सी.टी. स्कैन मशीन के कमरे में लगी हुई ए.सी. भी खराब पायी गई। **इस सम्बन्ध में ओपेक चिकित्सालय के निदेशक, डॉ0 एस.एन. त्रिपाठी को निर्देशित किया गया कि तत्काल सी.टी. स्कैन मशीन एवं ए.सी. को ठीक करायें।**
- एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय के फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा उसके बच्चे को फिजियोथेरेपी के दौरान जल गया है। **मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में जाँच प्रचलित है। दोषी पाये जाने के उपरान्त सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।**
- **स्थानीय पत्रकारों द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में चिकित्सक नहीं बैठते। जो भी चिकित्सक तैनात हैं उनके द्वारा अपनी प्राइवेट क्लीनिक चलायी जा रही है।**
- **पत्रकारों द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में दवाएं उपलब्ध नहीं रहती है। चिकित्सकों द्वारा बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं।**

प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बस्ती एवं निदेशक, ओपेक चिकित्सालय को निर्देशित किया गया कि तत्काल उपर्युक्त बिन्दुओं का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए अवगत कराया जाय।

रानी तलाश कुंवरि जिला महिला चिकित्सालय, बस्ती-

- जिला महिला चिकित्सालय के लेवर रूम तैनात स्टॉफ नर्स को एम.सी.पी. कार्ड के बारे कोई जानकारी नहीं थी न ही उन्हें किसी प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया है। **मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि लेबर रूम में तैनात स्टॉफ नर्सों प्रसव हेतु आने वाली महिलाओं से एम.सी. पी. कार्ड के बारे जानकारी प्राप्त कर ली जाय एवं एम.सी.पी. कार्ड पर की जाँच एवं एम.सी.टी. एस.एस. आई.डी. तथा बचत खाते का विवरण अवश्य अंकित कररा लिया जाय।**
- चिकित्सालय के महिला वार्ड में कंगारू मदर केयर (के0एम0सी0) के निर्माण हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया।
- **चिकित्सालय में भर्ती श्रीमती शबाना द्वारा शिकायत की गई चिकित्सक द्वारा उन्हें बाहर से दवाइयाँ एवं आपरेशन में प्रयोग होने वाले सिरिंज इत्यादि बाहर से मंगवाई गई। इस सम्बन्ध में डा0 बलजीत सिंह अरोड़ा एवं डा0 अनिल कुमार मिश्रा को जाँच करने हेतु निर्देशित किया गया। जाँच में आरोप सत्य पाये गये। जाँच आख्या सुलभ संदर्भ हेतु संलग्न है।**
- चिकित्सालय में स्थापित एस.एन.सी.यू. में कुल 15 बेड हैं परन्तु अधिकांश बेड खाली पाये। **इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि बेड आक्यूपेंसी बढ़ायी जाय।**
- **मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा एस.एन.सी.यू. के संचालन हेतु पीडियाट्रीशियन की मांग की गई।**

मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षण के दौरान पायी कमियों को तत्काल निस्तारित करायें तथा उपर्युक्त सभी बिन्दुओं का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही से 15 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को भी अवगत कराना सुनिश्चित करें।

जिला महिला चिकित्सालय बस्ती में मरीजों के शिकायत पर जाँच आख्या

प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ तथा मिशन निदेशक द्वारा जिला महिला चिकित्सालय बस्ती का दिनांक 16.08.2016 को निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान पोस्ट आपरेटिव वार्ड भर्ती प्रसूताओं द्वारा मिशन निदेशक महोदय के संज्ञान में बाहर से दवा मगाने तथा आपरेशन हेतु पैसा लेने की बात लाई गई, जिस पर मिशन निदेशक महोदय द्वारा वरिष्ठ सलाहकार, महाप्रबंधक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा अपर निदेशक, बस्ती मंडल को सही वस्तु स्थिति की जानकारी कर अग्रेतर कार्यवाही हेतु अवगत कराने का निर्देश दिया गया।

उक्त के अनुपालन में जब पोस्ट आपरेटिव वार्ड में भर्ती प्रसूताओं से अलग–अलग बात की गई तो शिकायत सही पाई गई । उनके द्वारा यह बताया गया कि उनसे आपरेशन से पहले रुपये 2500/– लिए गए तथा उन्हें बाहर से इंजेक्सन, सिरिंज आदि भी मगवाई गई जो निरीक्षण के दौरान उनके पास मिलीं भी।

1. सुश्री कंचन पत्नि श्री इन्द्रमणि– बेड संख्या–एस 2
2. सुश्री रीता, पत्नि श्री रामपाल– बेड संख्या–एस 5
3. सुश्री मनीषा पत्नि श्री दिलीप– बेड संख्या–एस 6
4. सुश्री अनुपमा पत्नि श्री शान्तनु शुक्ला– बेड संख्या–एस 7

के बयान की मूल प्रति संलग्न है।

जिला महिला चिकित्सालय बस्ती के कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राम गणेश यादव, जो एल–3 के चिकित्सक है, द्वारा अवगत कराया गया कि जिला महिला चिकित्सालय के आहरण वितरण का अधिकार मुख्य चिकित्सा अधिकारी बस्ती के पास है, जिसके कारण भी प्रशासनिक और अनुशासन की कठिनाइयाँ आ रही है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए इसकी विस्तृत जाँच निदेशक (एम0सी0एच0) से कराये जाने की अनुशंसा की जाती है।

Dr. Anil Kumar Mishra
G.M. Training

शिकायत
जिला महिला चिकित्सालय, बस्ती

मैं महिला चिकित्सालय बस्ती मे प्रसव हेतु भर्ती हुई मुझे बताया गया कि बच्चा operation से पैदा होगा। आपरेशन के ले जाने से पहले रुपया 2500=00 आपरेशन थियेटर के बाहर अन्दर के कार्यकर्ता द्वारा पैसा लिया गया।
वार्ड मे कई तरह के Injection, Syringe तथा पीने की दवाई भी मगाई गयी। जो मेरे पास मौजूद है आप उसकी तस्दीक भी कर सकते है।
एक प्रसूता Bed No - S2 द्वारा बताया गया कि उससे पैसा नही लिया गया।

1 - S2- कंचन w/o [illegible] — [illegible]
2 S5- रीता w/o रामपाल — रामपाल पति
3. S6- मनीषा w/o दिलीप दिलीप पति
4. S7 अनुपमा शुक्ला w/o शान्तनु शुक्ला (आनन्दकुमार) भाई

[signature] 16/8/16
[signature] 16.8.16 (Dr Ram Chandra) ADDM
[signature] 16/8/16
[signature] 16.08.16 (Dr Anil Mishra) GH. NHM